

क्रिस्टियानो रोनाल्डो फूट-फूटकर रोने लगे

नई दिल्ली, 2 जुलाई। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रिविबार को जर्मनी में यूरो कप 2024 राउंड ऑफ 16 मैच के पुर्तगाल और स्लोवेनिया मैच में पेनल्टी से गोल दागने में चूक गए, जिसके



बाद वह रोहित हुए दिखाई दिए। रोनाल्डो अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए और रोने लगे। उनकी मां, मारिया को भी स्टैंड में रोते हुए देखा गया था क्योंकि वह असहाय रूप से अपने सुपरस्टार बेटे की कोई मदद करने में असमर्थ थीं। हालांकि, इस दौरान रोनाल्डो की टीम ने उन्हें सपोर्ट किया। बता दें कि, रोनाल्डो अगर ये पेनल्टी गोल करने में कामयाब हो जाते तो पुर्तगाल मैच जीतने के लिए एक मजबूत स्थिति में आ जाती। उन्होंने खेल के आखिरी मिनटों में बहुत दिलाने की कोशिश की जिसमें वह असफल रहे। दोनों टीमों में एक्सट्रा टाइम में भी गोल करने में असफल रही थी जिसके बाद नतीजा निकालने के लिए मैच पेनल्टी शूट आउट में गया। यहां पर रोनाल्डो का आत्मविश्वास झलका क्योंकि एक बार पेनल्टी मिस करने के बाद वह पेनल्टी शूट आउट के दौरान पुर्तगाल की तरफ से पेनल्टी लेने वाले पहले खिलाड़ी के रूप में आए और इस बार उन्होंने गोल को गोल में डाल दिया। पुर्तगाल ने 3-0 से पेनल्टी शूट आउट अपने नाम कर ली। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल के लिए भी पुर्तगाल ने 3-0 से पेनल्टी शूट आउट अपने नाम कर ली। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। अब 6 जुलाई को क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल का सामना फ्रांस से होने वाला है।

टीम इंडिया टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे रवाना

नई दिल्ली, 2 जुलाई। जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया मंगलवार की सुबह मुंबई से रवाना हुई। भारत को जिम्बाब्वे दौर पर पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 6 जुलाई को हरारे में खेला जाएगा। टी-20 वर्ल्ड कप के बीच जिम्बाब्वे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। टीम का कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है। टी-20 वर्ल्ड कप खेलने गई टीम के कुछ खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल हैं। हालांकि, वह इस वक्त बारबाडोस में तूफान की वजह से फंसे हैं, लेकिन बाकी जो खिलाड़ी भारत में ही थे वह डेड कोच वीबीएस लक्ष्मण (सिर्फ इस टूर के लिए) के साथ जिम्बाब्वे के लिए रवाना हो गए। अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर टीम की रवाना होने की कुछ फोटोज भी शेयर की है। बारबाडोस में फंसे खिलाड़ियों में यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और संजु सैमसन शामिल हैं। ये खिलाड़ी भारत आने के बाद जिम्बाब्वे जाएंगे।

राजस्थान की टीम कराटे प्रतियोगिता में देश में तीसरे स्थान पर

उदयपुर, 2 जुलाई। राजस्थान के उदयपुर में वीएसकेएफ एकेडमी की ओर से आयोजित हुई दूसरी महाराणा प्रताप नेशनल कराटे चैंपियनशिप में राजस्थान की टीम ने 17 स्वर्ण सहित 33 पदक प्राप्त कर देश में तीसरे स्थान पर रही। राजस्थान के निदेशक संजु सिंह ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों ने 17 स्वर्ण पदक के साथ 33 पदक अर्जित किये। पदक विजेताओं में सीनीयर वर्ग में राजकुमार सेन ने कुमिते में स्वर्ण, कमलेश सेन ने कुमिते में रजत, क्रेडिट वर्ग आदित्य सिंह ने कुमिते में स्वर्ण, दक्ष चंडावतिया ने कुमिते में रजत, अक्षय लोगनथन ने कुमिते में रजत पदक प्राप्त किया। इसी प्रकार सब जूनियर वर्ग में समिधा हलोलत ने कुमिते में स्वर्ण, काता में स्वर्ण, हिया चंडावतिया ने कुमिते में स्वर्ण, संभवी लोगनथन ने कुमिते में स्वर्ण, हिताशी धरावत ने स्वर्ण, दिवित व साहित, सोहित ने स्वर्ण, अरांश असावा ने स्वर्ण, मितांश दांगी ने स्वर्ण, परमदेव एस. चंडावत एवं तुषांक ने रजत, अक्षय सोमानी ने रजत व काता में कांस्य, परी चतुर्वेदी ने सोना, देवांश टाटावत ने रजत, प्रिंस साहू ने कुमिते व काता में, कशिंश टाटावत ने कुमिते स्वर्ण व काता में कांस्य, मनन ने कुमिते में स्वर्ण व काता में कांस्य पदक प्राप्त किया।

मरे ने विंबलडन में एकल स्पर्धा से नाम लिया वापस

लंदन, 2 जुलाई। तीन बार के टैंड स्लैम चैंपियन और ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने मंगलवार को विंबलडन चैंपियनशिप में पुरुष एकल स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया है। मरे आज यहां विंबलडन में पुरुष एकल स्पर्धा से अपने नाम वापस लेने की पुष्टि की। ऑल इंग्लैंड क्लब में चेक खिलाड़ी टॉमस मचैक के खिलाफ खेलने के लिए बेलजियम के डेविड गोफिन मरे की जगह लेंगे। मरे की टीम यहां जारी एक बयान में कहा, दुर्भाग्य से, एक सप्ताह पहले अपने ऑपरेशन के बाद से अपनी रिकवरी पर अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत करने के बावजूद एंडी ने इस वर्ष एकल नहीं खेलने का बहुत कठिन निर्णय लिया है।

तूफान के कारण बारबाडोस में फंसी टीम इंडिया के वतन वापसी की राह खुली

चार्टर्ड फ्लाइट से आज लौटने के आसार

बारबाडोस, 2 जुलाई टीम इंडिया तूफान बेरिल की वजह से बारबाडोस में फंसी हुई है। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में रोमांचक जीत के आगे दिन टीम इंडिया को वापसी करनी थी, लेकिन तूफान के कारण टीम इंडिया भारत के लिए रवाना नहीं हो सकी। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया को चार्टर्ड फ्लाइट से वापस लाएगी।

सूत्रों के अनुसार टीम के ब्रिजटाउन से शाम 6 बजे स्थानीय समयानुसार (3 जुलाई, 3:30 भारतीय समयानुसार) रवाना होने और बुधवार को शाम 7.45 बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। यहां पहुंचने के बाद खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया जाएगा, लेकिन उस कार्यक्रम की अभी तक कोई



पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली ने बताया कि मैं वास्तव में एयरपोर्ट के स्टाफ के संपर्क में हूँ और

वे अब अपनी अंतिम जांच कर रहे हैं। और हम जल्द सामान्य फ्लाइट्स फिर से शुरू करना चाहते हैं।

सुमित नागल पहले दौर से हुए बाहर, सर्बिया के खिलाड़ी ने दी मात

नई दिल्ली, 2 जुलाई। टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट के 137वें एडिशन का आगाज हो चुका है। इस बार भारत की तरफ से पुरुषों के सिंगल इवेंट में स्टार खिलाड़ी सुमित नागल को भी खेलने का मौका मिला। मेन ड्रॉ में जगह बनाने वाले नागल को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्हें सर्बिया के खिलाड़ी मिओमिर केकेमनोविक ने मात दी। 48 मिनट तक चले इस मुकाबले में कुल 4 सेट का खेल हुआ जिसमें नागल को तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। सुमित नागल जिन्होंने पिछले महीने ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई किया था उनके खेल में इस मैच में बिलकुल भी निरंतरता देखने को नहीं मिली।



इस मुकाबले को लेकर बात की जाए तो सुमित नागल को सर्बिया के खिलाड़ी मिओमिर केकेमनोविक से पहले सेट में

2-6 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद नागल ने दूसरे सेट में शानदार तरीके से वापसी करने के साथ उसे 6-3 से अपने नाम किया और मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में सुमित नागल ने बेहतर खेल तो

दिखाया लेकिन उन्हें 3-6 से मात मिली तो अंतिम सेट भी काफी रोमांचक रहा हालांकि नागल इसे 4-6 से गंवा बैठे और उन्हें विम्बलडन 2023 में पुरुषों के सिंगल इवेंट के पहले राउंड से ही बाहर होना पड़ा।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में हार के बाद पद छोड़ना चाहते थे राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब 29 जून को अपने नाम र दिया है। लेकिन अभी तक इसकी खुशी टीम इंडिया के साथ-साथ पूरे देशवासियों के चेहरे पर नजर आ रही है। टीम इंडिया के डेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी इस टूर्नामेंट के साथ खत्म हो गया है। अब वह भारतीय टीम के डेड कोच नहीं रहे हैं। बीसीसीआई ने इस

राहुल द्रविड़ का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि, पिछले साल ऑस्ट्रेलिया से वनडे वर्ल्ड कप 2023 हारने के बाद वो अपना पद छोड़ना चाहते थे, लेकिन रोहित शर्मा की एक कॉल ने सबकुछ बदल दिया। बीसीसीआई टीवी पर राहुल द्रविड़ ने रोहित शर्मा को लेकर कहा कि, थैंक यू यू, मुझे नवंबर में वो कॉल करने के लिए और मुझे रुकने के लिए कहने के लिए।

मुझे लगता है कि टीम इंडिया में हर एक शख्स के साथ काम करना गर्व की बात है, मैं हर एक शख्स के लिए शुक्रगुजार हूँ लेकिन रो तुमको शुकिया अपना इतना समय देने के लिए एक कप्तान के तौर पर। कई बार हमने बात की, हमने कई चीजों पर चर्चा की, कई बातों पर हम सहमत थे, कई बातों पर हम एक-दूसरे से सहमत नहीं थे, लेकिन इन सबके बाद तुमको बहुत-बहुत शुकिया।

भारतीय सेना से रोवर बलराज पंवार ने रचा इतिहास



चुंगजू, 2 जुलाई। बलराज पंवार ने पेरिस ओलंपिक के लिए नौकायन में भारत का पहला कोटा हासिल कर लिया है। 25 वर्षीय भारतीय सेना के नौकायन खिलाड़ी ने दक्षिण कोरिया के चुंगजू में आयोजित 2024 विश्व एशियाई और महासागरीय ओलंपिक और पैरालंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में पुरुषों की एकल स्कल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करके यह उपलब्धि हासिल की। पंवार, जो पिछले वर्ष चीन में एशियाई खेलों में अपने पहले प्रयास में कांस्य पदक से चूक गए थे, ने 2000 मीटर की दौड़ 7 मिनट और 1.27 सेकंड के

सराहनीय समय में पूरी करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे उन्होंने ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। हरियाणा के कैमला गांव के रहने वाले बलराज पंवार हमेशा से ही खेलों के प्रति आकर्षित रहे हैं, लेकिन रोइंग में उनका सफर अप्रत्याशित रूप से शुरू हुआ। गुरुवार को भारतीय ओलंपिक संघ और रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित एक मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा, "मैं 2018 में भारतीय सेना में शामिल हुआ और वहीं रोइंग से मेरा परिचय हुआ।"

सैमसन, जायसवाल और शिवम दुबे की जगह अन्य 3 खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारतीय टीम के जिम्बाब्वे दौरे के लिए पुरुष चयन समिति ने पहले दो टी20आई के लिए संजु सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल को टीम से बाहर कर दिया है। अब इन तीन खिलाड़ियों की जगह साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को टीम में पहले दो टी20 मैच के लिए शामिल किया गया है। दरअसल, मौजूदा समय में सैमसन, जायसवाल और दुबे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के साथ बारबाडोस में ही हैं। मौसम खराब होने के कारण ये खिलाड़ी स्वदेश नहीं लौट पाए, जिस कारण इन तीनों की जगह बोर्ड ने साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को मौका दिया है। 22 वर्षीय बल्लेबाज सुदर्शन भारत के लिए तीन वनडे खेल चुके हैं, जिसमें 63.50 की औसत से 127 रन बनाए उन्होंने दिसंबर 2023 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वहीं 30 वर्षीय जितेश शर्मा ने 9 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 100 रन बनाए हैं। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में डेब्यू किया था। वहीं, 22 वर्षीय हर्षित राणा पहली बार भारतीय टीम में चुने गए हैं।

लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए तवालीफाई करने वाले भारतीय नाविक बने विष्णु सरवनन

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारत के प्रतिभाशाली नाविक विष्णु सरवनन ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के साथ ही इतिहास रच दिया है। विश्व चैंपियनशिप में पेरिस खेलों के लिए कट बनाने के बाद उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। विश्व चैंपियनशिपस्थित आर्मी वॉटिंग नोड के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया में -7 विश्व चैंपियनशिप में 152 प्रतिभागियों में से 26वां स्थान हासिल करके आगामी पेरिस खेलों के लिए क्वालीफिकेशन हासिल किया। विष्णु ने प्रतियोगिता 174 के स्कोर के साथ समाप्त की और मानक नियम के अनुसार, एक वौड में उनका सबसे कम स्कोर 49 घटा दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप उनका शुद्ध स्कोर 125 रहा। उनकी कई अन्य उपलब्धियों में से विष्णु 2019 अंडर-21 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं।



24 फरवरी, 1999 को तमिलनाडु के वेल्दूर शहर में जन्मे, विष्णु सरवनन कम उम्र में ही नौकायन से बरहू गए थे। उनके सेवानिवृत्त सैनिक पिता रामचंद्रन सरवनन

ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया था, जो एक पूर्व नाविक थे और इस खेल को पेशेवर रूप से आगे बढ़ाने में असमर्थ थे। हालांकि, उन्होंने अपने दोनों बच्चों विष्णु और राध्या में कुछ हुनर देखा और उनको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विष्णु ने नौ साल की

ओलंपिक खेलों के इतिहास में घुड़सवारी में पहली बार उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए घुड़सवारी में अपना पहला कोटा हासिल कर लिया है। भारत को यह कोटा अनुश अग्रवाल ने डेसेज स्पर्धा में दिलाया है। अनुश ने एफईआई के चार स्पर्धाओं ब्रोकला, पोलैंड (73.485), क्रोनेनबर्ग, नीदरलैंड्स (74.4), फ्रैंकफर्ट जर्मनी (72.9) और मेकलेन, बेलजियम (74.2) में अपने प्रदर्शन के आधार पर यह कोटा हासिल किया। घुड़सवारी में कोटा देश का होता है और पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी का चयन ईएफआई करेगा। 24 साल के अनुश अग्रवाल एशियाई खेलों के पदक विजेता घुड़सवार हैं। उन्होंने पिछले साल हांगकॉंग एशियाई खेलों में ऐतिहासिक व्यक्तिगत डेसेज में कांस्य पदक जीते थे।



23 नवंबर 1999 को कोलकाता, भारत में जन्मे अनुश अग्रवाल अब घुड़सवारी खेलों की दुनिया में एक उल्लेखनीय व्यक्ति बन गए हैं। एशियाई खेलों में उनकी हालिया जीत ने इस युवा और प्रतिभाशाली सवार को सुर्खियों में ला दिया है,

जिससे वह अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी परिदृश्य में एक उभरता हुआ सितारा बन गया है। अनुश अग्रवाल का एक साधारण वीकेंड राइडर से लेकर एक अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी स्टार बनने का सफर किसी प्रेरणा से कम

नहीं है। उनके माता-पिता ने उन्हें कोलकाता के टॉलीगंज क्लब में 3 साल की छोटी सी उम्र में घुड़सवारी से परिचित कराया था। उन्हें शायद ही पता था कि यह परिचय उनके बेटे में ऐसा जुनून जगाएगा जो उन्हें विश्व मंच पर ले जाएगा।

8 साल की उम्र में, उन्होंने औपचारिक घुड़सवारी की शिक्षा लेनी शुरू की और जल्दी ही स्थानीय स्पर्धों के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे। उनके सपने स्थानीय प्रतियोगिताओं से आगे बढ़ गए, वह एशियाई खेलों और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित खेल आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते थे। इस सपने को पूरा करने के लिए, वह 11 साल की उम्र में नई दिल्ली चले गए, साथ ही उन्होंने ला मार्टिनियर फॉर बायज में अपनी शिक्षा का प्रबंधन भी किया। उनकी कड़ी मेहनत का फल उन्हें 2014 में प्रतिष्ठित दिल्ली हॉर्स शो में रजत और स्वर्ण पदक के रूप में मिला। 16 साल की उम्र में, उन्हें उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए अरावली के श्री राम स्कूल में दाखिला मिल गया।

मास्टर्स कप की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पहली बार पुरुष और महिला वर्ग के 40 वर्ष से अधिक आयु वाले अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के आयोजित होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करने की घोषणा की। हॉकी इंडिया मास्टर्स कप अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल के जर्जन मनाने का जरिया है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य पूर्व खिलाड़ियों को एक साथ अपने पसंदीदा खेल से फिर से जोड़ा है। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयों इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं और टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सभी पात्र अनुभवी खिलाड़ियों अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा।